Dr. Akhlakh Ahmad
(Asst. Prof.) D.K. College
Dumraon.

स्वतंत्रता (LIBERTY)

सर्वप्रथम स्वतंत्रता का सूत्रपात इंग्लैंड में हुआ और मैग्नाकार्टा (Magna Carta) के माध्यम से स्वतंत्रता का बीजारोपण किया गया। जो 1688 ई० की गौरवपूर्ण क्रांति के रूप में प्रस्फुटित हुआ पुनः 1789 ई० की फ्रांसीसी राज्य क्रांति ने स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृत्व का नारा बुलंद किया। जिसके कारण एक तरफ स्वतंत्रता की भावना ने लोकतंत्रवाद को मजबूत किया, तो दूसरी तरफ समानता की भावना ने समाजवाद जैसे आदर्श विचार उत्पन्न किया।

स्वतंत्रता अंग्रेजी शब्द 'लिबर्टी' (LIBERTY) का हिंदी रूपांतर है जिसका उत्पत्ति लैटिन भाषा के 'लिबर' (LIBER) शब्द से हुई है जिसका अर्थ होता है- बंधनों का ~~अभाव~~ न होना। अतः व्युत्पत्ति की दृष्टि से स्वतंत्रता का अर्थ 'बंधनों का अभाव' होता है। इस अर्थ से यह स्पष्ट होता है कि एक पूर्ण स्वतंत्र मनुष्य वह है जो किसी भी नियंत्रण से बाधित नहीं होता और जो कोई भी नियम स्वीकार करने को बाध्य नहीं है। रूसो- "मनुष्य स्वतंत्र रूप से जन्म लेता है और सभी जगह बंधनों में रहता है" (~~Liberty means the~~ (Man is born Free, But Everywhere he is in Chains)

हर्बर्ट स्पेंसर- "प्रत्येक मनुष्य वह करने को स्वतंत्र है जिसे वह करने की इच्छा करता है, यदि वह किसी दूसरे मनुष्य की समान स्वतंत्रता का हनन नहीं करता है"। लॉस्की- "स्वतंत्रता उन सामाजिक दशाओं के ऊपर नियंत्रण है का अभाव है जो कि आधुनिक सभ्यता में व्यक्ति के सुख के लिए आवश्यक है" ग्रीन- "स्वतंत्रता उन कार्यों को करने या बंधनों के उपयोग करने की शक्ति है जो करणीय और उपभोग्य है" बोसांके- "स्वतंत्रता अन्य व्यक्ति द्वारा दमन शक्ति का अभाव है" मैकेंजी- "स्वतंत्रता उनको कहते हैं जो अनुपयुक्त प्रतिबंधों के स्थान पर उपयुक्त प्रतिबंधों की स्थापना करता है"। लॉस्की- "स्वतंत्रता उस वातावरण को बनाये रखने की उत्सुकता से है जिसमें लोगों को अपने सर्वोत्कृष्ट स्वरूप के विकास का अवसर मिलता है।

Scanned with CamScanner

स्वतंत्रता के दृष्टिकोण/आयाम/पहलू :-

(a) नकारात्मक पहलू - नकारात्मक पहलू का अर्थ बंधनों का अभाव होता है सामान्यतया व्यक्तिवादियों ने इस पहलू का समर्थन किया है जिसमें एडम स्मिथ, स्पेंसर, जे॰एस॰ मिल, आदि प्रमुख हैं। इनका कहना है कि राज्य की भूमिका जितनी सीमित होगी, व्यक्ति की स्वतंत्रता उतनी अधिक होगी।

(b) सकारात्मक पहलू :- इसका अर्थ आत्मविकास के लिए वास्तविक अवसर या मनुष्य के व्यक्तित्व के निरंतर विकास का अवसर से है। टी॰एच ग्रीन, बोसांके, हीगेल, लॉस्की, इसके प्रमुख समर्थक हैं J.S. मिल ने अपनी पुस्तक ON LIBERTY में विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कार्य की स्वतंत्रता को बताया है आईजा बर्लिन ने अपनी पुस्तक Two Concepts of Liberty में नकारात्मक दृष्टिकोण का पुनर्जिवीत करने का प्रयास किया है।

स्वतंत्रता के प्रकार :-

(a) प्राकृतिक स्वतंत्रता - इसका अर्थ मनमानी करना है लेकिन दूसरे अर्थ में राज्य की उत्पत्ति से पहले वाली प्राकृतिक अवस्था की स्वतंत्रता से है जिसका वर्णन हॉब्स, लॉक, और रूसो ने किया था। बाद में समाज में इसकी स्वतंत्रता सिमित हो गयी।

(b) नागरिक स्वतंत्रता :- यह वह स्वतंत्रता है जो किसी समाज में प्राप्त होती है यह व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है इसके स्वतंत्रता के अंतर्गत जीवन की रक्षा, शरीर रक्षा, संपत्ति रक्षा, भाषण लेखन, संगठन, विचार, अभिव्यक्ति, इत्यादि की स्वतंत्रता सम्मिलत है।

(c) राजनीतिक स्वतंत्रता - इस स्वतंत्रता का अर्थ उन अधिकारों का है जिनके द्वारा नागरिकों को शासन कार्य में भाग लेने का अवसर मिलता है।

(d) आर्थिक स्वतंत्रता - इस स्वतंत्रता का अर्थ हर व्यक्ति को रोजगार या अपने श्रम के अनुसार पारिश्रमिक

Scanned with CamScanner

प्राप्त करने की स्वतंत्रता है।

(e) नैतिक स्वतंत्रता - इसका तात्पर्य व्यक्ति के अन्तः से है अदर्शवादियों का कहना है कि व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता नैतिक इच्छा का पालन करके ही यथार्थ में स्वतंत्र हो सकता है

(f) वैयक्तिक स्वतंत्रता - इसका अर्थ है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने इच्छा अनुसार अपने जीवन को नियोजित करने का अधिकार होना चाहिए जिसमें अपनी शक्तियों का उपयोग कर अपना विकास इच्छा अनुसार कर सके।

(g) धार्मिक स्वतंत्रता - ये स्वतंत्रता मानव को पवित्र और संयमित जीवन व्यतित करने की प्रेरणा देता है इसका तात्पर्य है प्रत्येक मनुष्य को अपने विश्वास के अनुसार कोई भी धर्म स्वीकार करने की स्वतंत्रता है

(h) वैधानिक स्वतंत्रता - ये स्वतंत्रता विधान निर्माण की स्वतंत्रता है जिसके द्वारा जनता स्वशासन की व्यवस्था करती है

(i) राष्ट्रीय स्वतंत्रता - इसका अर्थ, स्वराज्य, देश की आजादी या स्वाधीनता है इसके अभाव में कोई भी सम्प्रभु नहीं कहा जा सकता। इसमें राष्ट्रीयता की भावना मजबूत होती है किसी भी राष्ट्र का यह जन्म सिद्ध अधिकार है

* स्वतंत्रता की रक्षा/संरक्षण के लिए आवश्यक तत्व :-

(i) मौलिक अधिकारों की उद्घोषणा हो
(ii) नागरिकों की जागरूकता हो (iii) कानून का शासन हो
(iv) वैध प्रभु तथा राजनीतिक प्रभु में सहयोग।
(v) सांविधानिक उपचार की व्यवस्था।
(vi) निष्पक्ष एवं स्वतंत्र न्यायपालिका
(vii) शक्तियों की पृथक्करण।
(viii) लोकतांत्रिक शासन (ix) विशेषाधिकारों का अंत
(x) आर्थिक असमानता का अंत (xi) निष्पक्ष राज्य
(xi) नागरिकों में स्वतंत्रता (xii) शासन का विकेंद्रीकरण
(xiii) प्रेम तथा त्याग की भावना हो

कानून और स्वतंत्रता में संबंध :—

(i) कानून स्वतंत्रता का बाधक – व्यक्तिवादी, अराजकतावादी, श्रमसंघवादी, तथा अन्य विद्वान का कहना है कि कानून स्वतंत्रता के रास्ते में एक बहुत बड़ी बाधा है अराजकतावादियों का कहना है कि राज्य को कोई आवश्यकता नहीं है राज्य और कानून के हस्तक्षेप से व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है जाडविन – कानून सबसे अधिक हानिकारक बाधा है ! स्पेंसर – कानून और स्वतंत्रता को परस्पर विरोधी माना !

(ii) कानून स्वतंत्रता का साधक – कानून स्वतंत्रता के लिए आवश्यक है – यह एक सही और सर्वथा मान्य तर्क है लॉक – जहां कानून नहीं वहां स्वतंत्रता नहीं (where there is no law, there is no freedom) अर्थात स्वतंत्रता कानून की एक मात्र अनिवार्य दशा है। रूसो – राज्य के द्वारा जो भी कानून लागू होता है उसके पालन में ही स्वतंत्रता है सिसरो – हम स्वतंत्र होने के लिए कानून के बंधन में पड़ते हैं अतः ये सभी विद्वान (रूसो, सिसरो, लॉक, हीगेल, बार्कर ने कानून को स्वतंत्रता का साधन है

(iii) कानून और स्वतंत्रता एक दूसरे के पूरक –

वास्तविक संबंध में यह कहा जाए तो कानून स्वतंत्रता का न बाधक है, और न साधक बल्कि कानून और स्वतंत्रता एक दूसरे के पूरक है। जहां पूर्ण स्वतंत्रता होगी और कानून जैसी कोई नियंत्रक शक्ति नहीं होगी वहां स्वेच्छाचारिता, और उच्छृंखलता का साम्राज्य स्थापित हो जाएगा ! वहां जंगल नियम की स्थापना हो जाएगा, अर्थात जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली कहावत हो जाएगा! जिससे कलह, संघर्ष, द्वेष, चोरी, लूटेरों, अपराधियों में अत्यधिक वृद्धि हो जायेगी। इस रूप को मानने में डी. सी. रिची, हाकिंग, का प्रमुख है, अगर हम इसमें कहें कि कानून के द्वारा ही व्यक्ति की स्वतंत्रता जीवित है वो एक सही है

अतः हम कहते हैं कि कानून और स्वतंत्रता एक दूसरे के पूरक है